Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to set up steel plant in Singhbhum Parliamentary Constituency, Jharkhand.

श्री लक्ष्मण गिलुवा (सिंहभूम): सरकार से अनुरोध है कि मेरे संसदीय क्षेत्र सिंहभूम झारखंड का आदिवासी बहुल क्षेत्र है। इस क्षेत्र में प्राकृतिक संसाधनों की भरमार है। परंतु यह बताते हुए खेद हो रहा है कि इन उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों पर आधारित कोई बड़ा एवं महत्वपूर्ण उद्योग नहीं है जिसके कारण सिंहभूम के आसपास के जिलों को विकास नहीं हो पा रहा है। इस क्षेत्र में 40 प्रतिशत आयरन ओर उपलब्ध है, अभ्रक, कोयला एवं वन सम्पदा प्रचुर मात्रा में है। वर्तमान समय में आयरन ओर के खनन कार्यों से दूर-दूर स्थित बोकारों, दुर्गापुर, राउरकेला एवं भिलाई में सेल के स्टील प्लांट हैं जिसके ट्रांसपोर्ट पर करोड़ रुपए खर्च हो रहा है यह एक तरह से फिजूलखर्ची है जिससे स्टील महंगा है, जहाँ पर आयरन ओर का उत्पादन हो रहा है उसी के पास स्टील प्लांट लगाने से ट्रांसपोर्ट की बचत होगी। स्टील सस्ता होगा और स्थानीय आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र के लोगों को रोजगार मिल सकेगा। इससे देश के संतुलित विकास की दिशा में काम किया जा सकेगा और सिंहभूम जिले के आसपास के पिछड़ेपन को दूर किया जा सकता है। इस संबंध में कई बार सदन में इस मामले को उठा चुका हूं और पत्रों के माध्यम से सरकार का ध्यान कई बार आकर्षित कर चुका हूं परंतु हमेशा जवाब मिलता है कि सरकार की नीति में सरकारी स्तर पर नये उद्योग नहीं खोले जाते हैं और सरकार केवल नये उद्योगों को खोलने में वित्तीय एवं तकनीकी सहायता करती है। यह नीति देश के संतुलित विकास करने में कई बार बाधा पहुंचा रही है। इसको बदलना आवश्यक है। मैं सरकार से पूछना चाहता हूं कि राष्ट्रहित में पिछड़ेपन को दूर करने के लिए आदिवासियों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए, ट्रांसपोर्ट की लागत को समाप्त करने के लिए देश के संतुलित विकास के लिए क्या सेल अंतर्गत नया एक यूनिट सिंहभूम में नहीं बनाया जा सकता है?

सरकार से अनुरोध है कि मेरे संसदीय क्षेत्र में सिंहभूम आयरन ओर की उपलब्धता को देखते हुए मनोहरपुर, चक्रधरपुर या नोवामुंडी में एक स्टील प्लांट शीघ्र स्थापित किया जाये इसके लिए सरकारी नीतियों में परिवर्तन करने की आवश्यकता हो तो उसमें परिवर्तन करने की मांग करता हूँ।